4

श्रद्धा महिला मंडल ने दो छात्रों के पढ़ाई की उठाई जिम्मेदारी

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.Sc. NURSING
&
M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482
81030 45003
Website : ssscn.ac.in

अब किसानों को केसीसी लोन के लिए नहीं देना होगा अन्य बैंकों का एनओसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

खेती के लिए किसानों के द्वारा सहकारी बैंक से लिए जाने वाले केसीसी लोन के लिए अन्य बैंकों की एनओसी की बाध्यता नहीं रहेगी। ग्रामीण अंचल के किसान कुछ समय से अन्य बैंकों से हाउस और वाहन लोन लिए हुए हैं जिन्हें सहकारी बैंक से केसीसी लोन लेने में तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ता है।

केसीसी लोन के लिए किसानों को अब भटकना नहीं पड़ेगा। अन्य बैंकों से किसी तरह का लोन लेने वाले ऐसे किसान जो खेती के लिए जिला सहकारी बैंक शाखा से केसीसी लोन का आवेदन भरते हैं तो अन्य बैंक से एनओसी को लेकर आने वाले तकनीकी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। पूर्व में ऐसे किसानों को एनओसी की आवश्यकता हुआ करती थी। किंतु अब ऐसे

नियमित किस्त पटाने वाले किसानों मिली राहत

खास बातें

- जिला सहकारी बैंक से दिए जाते हैं केसीसी लोन
- अन्य बैंकों से किसान ले रहे हैं हाउस और वाहन लोन

नियमित पटाना अनिवार्य

जो किसान अन्य बैंकों से लोन लिए हैं अगर उनकी नियमित किश्त पट रही है तो उन्हें किसी तरह की एनओसी की जरूरत नहीं पड़ेगी। लोन उन्हें आसानी से मिलेगा।

-जमाल खान, सुपरवाईजर सहकारी बैंक

ट्रैक्टर के लिए सर्वाधिक लोन

ग्रामीण अंचल के किसानों के द्वारा अन्य बैंकों से ज्यादातर टैक्टर लेने के लिए ही लोन लिए हैं। खेती कार्य के नाम पर सबसे ज्यादा लोन किसानों के द्वारा लेकर टैक्टर की खरीदी की गई है। जिसका खेती के समय किसानी में उपयोग करते हैं और उसके बाद ऐसे टैक्टरों का व्यवसायिक उपयोग होता है।

किसानों को जमीन के दस्तावेज में अन्य बैंकों के लोन दर्ज होने की वजह से सहकारी बैंक के ऑनलाइन पोर्टल में पूर्व से ही इसकी जानकारी मिल जाएगी कि किसान किस तरह का लोन इन बैंकों से लिए हैं। सहकारी समितियों के कम्प्युटराइजेशन होने से इसकी जानकारी आम हो गई है। नियमित लोन पटाने वाले किसानों को बिना एनओसी के ही लोन मिलेंगे। वहीं जिन किसानों को के जमीन के दस्तावेज में किसी भी बैंक का लोन दर्ज है तो उनकी किश्त की वसूली बैंक से ही हो जाएगी।

खबर संक्षेप

उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज आएंगे

कोरबा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव का 20 जुलाई को कोरबा प्रवास हो रहा है। शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। श्री साव बिलासपुर से 11 बजे सड़क मार्ग से रवाना होंगे जो दोपहर 1 बजे कोरबा पहुंचेंगे। जिसके बाद श्री साव विवेकानंद उद्यान के पास नवनिर्मित अटल परिसर में प्रतिमा का अनावरण करेंगे एवं विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शुभारंभ करेंगे। श्री साव दोपहर 2 बजे पार्टी कार्यालय टीपी नगर पहुंचेंगे जहां कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। दोपहर 2 बजे से 2.30 बजे तक उप मुख्यमंत्री श्री साव टीपी नगर नया बस स्टैंड में स्थित एमजेएम अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। दोपहर 2.35 से 3.55 तक सीएसईबी विश्राम गृह में रहेंगे। शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर विभागीय अधिकारियों की बैठक लेंगे। वहां से शाम 6 बजे रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

21वां रंगारंग हरेली महोत्सव 24 को

कोरबा। छत्तीसगढ़ महतारी संस्कृति संवर्धन सेवा समिति की 21वीं रंगारंग हरेली महोत्सव 24 जुलाई को आयोजित होना है। प्रदेश महासचिव प्यारेलाल चौधरी ने कहा कि प्रदेश की पारंपरिक तिहार हरेली महोत्सव को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ ब मनाने के लिए 17 जुलाई की शाम 3.30 बजे आदिवासी शक्ति पीठ बुधवारी में प्रदेश अध्यक्ष मोहन सिंह प्रधान की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव पारित किया गया। 24 जुलाई को हरेली महोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पारंपरिक खेलकूद, पूजा अर्चना, महाभोग प्रसाद के साथ आयोजन होना तय हुआ। सफल आयोजन के लिए संचालन समिति की गठन किया गया है। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष मोहन सिंह प्रधान, प्रदेश महासचिव प्यारेलाल चौधरी, वरिष्ठ संरक्षक इंजीनियर हरिश्चंद्र निषाद, संरक्षक यू आर महिलांगे, दिनेश कुमार केंवट, आरके पांडे, रामाधार पटेल, थीरमन दास, सुरेश कुमार द्विवेदी, अधिवक्ता रजनीश निषाद, पवन जांगड़े, घनश्याम श्रीवास, रमेश श्रीवास, दिगंबर लाल कर्स, धन साय पटेल सहित देव बघेल शामिल हैं।

जिला स्तरीय बैंकर्स प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

कोरबा। बिहान योजना के तहत मंगलवार को जिला पंचायत में जिला स्तरीय बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में लगभग सौ प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कर कार्यशाला उपस्थित रहे। कार्यशाला में बैंकर्स, बीपीएम, एडीईओ, एरिया कोऑर्डिनेटर, पीआरपी, एफएलसीआरपी, बैंक सखी तथा अन्य फील्ड स्टाफ शामिल हुए। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग ने की। कार्यशाला में गगन बिहारी भुयान द्वारा बिहान योजना की अवधारणा, समूह क्रेडिट लिंकेज, इंटरप्राइज फाइनेंस, बीसी सखी मॉडल, बीमा योजनाएं, एनपीए का निराकरण, और सीबीआरएम कमेटी जैसे विषयों पर जानकारी दिया गया।

एचटीपीपी संयंत्र में 1340 मेगवाट की जगह 714 मेगावाट विद्युत उत्पादन

गीले व मिट्टी युक्त कोयले की आपूर्ति से विद्युत उत्पादन घटकर हुआ आधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

लगातार हो रही बारिश का असर आमजन जीवन के साथ अब विद्युत संयंत्रों पर भी देखने को मिल रहा है। बारिश की वजह से एसईसीएल द्वारा गीले व मिट्टी युक्त कोयले की

खास बात

- कुसमुंडा खदान से कन्वेयर बेल्ट के जरिए एचटीपीपी संयंत्र में की जाती है कोयले की आपूर्ति

आपूर्ति की जा रही है, जिसकी वजह से कन्वेयर बेल्ट जाम होने की समस्या सामने आ रही है। वहीं मील व हॉफर का शूट भी बार-बार जाम हो रहा है। इकाईयों से क्षमता अनुरूप विद्युत उत्पादन नहीं हो रहा है। सबसे ज्यादा असर कोरबा पश्चिम संयंत्र में देखने को मिल रहा है। गीले व कीचड़ युक्त कोयले की वजह से इकाईयों को कम लोड पर चलाना पड़ रहा है। 1340 मेगावाट क्षमता वाले इस संयंत्र में महज 714 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा रहा है।

बारिश की वजह से कोरबा पश्चिम संयंत्र के कोल स्टॉक में रखा कोयला गीला हो गया है, वहीं खदानों से भी गीले व मिट्टी युक्त कोयले की आपूर्ति की जा रही है। संयंत्र में कुसमुंडा खदान से कन्वेयर बेल्ट के जरिए कोयले की आपूर्ति की जाती है। गीले व कीचड़ युक्त कोयले की आपूर्ति से कन्वेयर बेल्ट जाम हो जा रहा है। संयंत्र में बिजली उत्पादन के दौरान गीला कोयला उपयोग करने की वजह से मील व हॉफर का शूट जाम हो रहा है। जिसकी वजह से इकाईयों में लोड को घटना पड़ रहा है। इकाईयों में क्षमता से कम विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। बात करें 1340 मेगावाट क्षमता वाले कोरबा पश्चिम संयंत्र की तो इस संयंत्र से 1340 की जगह 714 विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। संयंत्र की 210 मेगावाट क्षमता वाली इकाई क्रमांक 1 को 15 जुलाई से 32 दिनों तक वार्षिक रखरखाव पर लिया गया है। इसी तरह 500 मेगावाट क्षमता वाले डीएसपीएम संयंत्र में 374 व 1000 मेगावाट क्षमता वाले मड़वा संयंत्र में 844 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में गीले कोयले की वजह से चोक होने की समस्या बढ़ने लगी है, जिसके कारण इकाईयों में क्षमता से आधा विद्युत उत्पादन करना पड़ रहा है। इसके अलावा गीले कोयले को जलाने पर समय ज्यादा लगता है, वहीं फ्लेम की रफ्तार भी कम होती है। जिसके कारण विद्युत उत्पादन पर असर पड़ता है। गीले कोयले की वजह से संयंत्रों की उत्पादन क्षमता घटने लगी है। हर वर्ष बरसात के दौरान लगभग इस तरह की स्थिति निर्मित होती है। इसके लिए प्रबंधन द्वारा तैयारियां की जाती है। मील व हाफर में होने वाले चोक की समस्या को देखते हुए मरम्मत के लिए कर्मी तैनात किए गए हैं। हालांकि पाईप लाईन व शूट में लगे चोक को क्लीन करने में घंटों का समय लग जाता है। यही वजह है कि इस दौरान संयंत्रों की उत्पादन क्षमता भी घटकर आधी हो जाती है।

लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन के अलावा विद्युत संयंत्रों का उत्पादन घटकर हुआ आधा

गीला कोयला बना परेशानी का सबब संयंत्रों में विद्युत उत्पादन पर पड़ा असर

खदानों के डीप फेस में भरा पानी

हरिभूमि में प्रकाशित खबर की कतरन।

संयंत्रों के विद्युत उत्पादन क्षमता पर एक नजर

कोरबा पश्चिम संयंत्र

इकाई	क्षमता	उत्पादन
1	210	00
2	210	126
3	210	120
4	210	125
5	500	343

मड़वा संयंत्र

इकाई	क्षमता	उत्पादन
1	500	422
2	500	422

डीएसपीएम संयंत्र

इकाई	क्षमता	उत्पादन
1	250	188
2	250	186
कुल	2840	1932

जाम हटाने में लग रहे दो से तीन घंटा

संयंत्रों में मील से पाईप लाईन के जरिए व कन्वेयर बेल्ट से हाफर तक कोयले की सप्लाई की जाती है। दरअसल गीला कोयला का उपयोग करने से मील में लगे पाईप कई जगहों से चोक होकर जाम हो जा रहा है। वहीं हाफर में भी लगा शूट जाम हो जा रहा है, जिसे क्लीन करने में घंटों का समय लग रहा है। दरअसल गीले कोयले की वजह से मील में लगे पाइप लाइन और हाफर की शूट अगर 2 से 3 बार चोक होता है तो संयंत्र प्रबंधन को संयंत्रों में उत्पादन घटना पड़ जाता है।

आंदोलन को मजबूर तहसीलदार नायब तहसीलदार, सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपते कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले का राजस्व विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। संसाधनों के अभाव में तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को कार्य करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा

खास बात

- 17 मांगों पर 26 तक अल्टीमेटम, 28 से चरणबद्ध शुरुआत

है। इसका निराकरण के लिए अब ये आंदोलन की राह पर चल पड़े हैं। संसाधन नहीं तो काम नहीं सिद्धांत पर आधारित 17 सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु 26 जुलाई तक सकारात्मक पहल नहीं होने की स्थिति में 28 जुलाई से प्रस्तावित चरणबद्ध आंदोलन की सूचना कलेक्टर के माध्यम से शासन को प्रेषित की गई है।

छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ द्वारा पूर्व में भी विभाग एवं शासन को समय-समय पर विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया है। विशेष रूप से तहसील कार्यालयों में पदस्थ तहसीलदारों को संसाधनों की अत्यंत कमी, मानवीय संसाधन, तकनीकी सुविधाएं, सुरक्षा, शासकीय वाहन एवं प्रशासनिक सहयोग की अनुपलब्धता से कार्य निष्पादन में गंभीर कठिनाईयाँ उत्पन्न हो रही हैं। इन विषयों को लेकर संघ द्वारा अनेक अवसरों पर ज्ञापन प्रस्तुत कर मांगों के माध्यम से शासन का ध्यान आकर्षित किया गया है। यह आशा की जाती रही है कि शासन इन विषयों पर सहानुभूतिपूर्वक एवं प्राथमिकता के साथ विचार करेगा। कहा गया है कि यदि दिनांक 26 जुलाई 2025 तक इस दिशा में कोई स्पष्ट एवं सकारात्मक पहल नहीं होती है, तो संघ के सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार निम्नानुसार चरणबद्ध आंदोलन हेतु विवश होंगे। जिनमें 17 जुलाई को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन प्रस्तुतीकरण। 21 से 26 जुलाई तक निजी संशाधनों से कार्य बंद। 28 जुलाई को जिला स्तर पर सामूहिक अवकाश लेकर विरोध प्रदर्शन। 29 जुलाई को संभाग/राज्य स्तर पर सामूहिक अवकाश एवं प्रदर्शन। 30 जुलाई प्रदेश स्तर पर सामूहिक अवकाश लेकर राजधानी में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रेमिका को दूसरे युवक के साथ देखा तो प्रेमी ने ब्लेड से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रेमिका को किसी दूसरे युवक के साथ घूमता देख गुस्साए प्रेमी ने ब्लेड से युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर लिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, बीच बचाव करने पहुंची प्रेमिका को भी चोटें आई है।

जानकारी के मुताबिक कापू थाना निवासी युवती सूरज नगेसिया के साथ बस से जैसे ही उतरी, उसके बाद आरोपी मनोज सारथी ने सूरज नगेसिया के ऊपर ब्लेड से हमला कर दिया। आरोपी मनोज सारथी ने सूरज के गर्दन व चेहरे पर ब्लेड से वार किया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सूचना मिलने पर सीएसईबी चौकी पहुंची। जिसके बाद घायल युवक सूरज नगेसिया और युवती को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक सूरज नगेसिया के साथ कापू थाना निवासी एक लड़की थी। दोनों को देख उसके प्रेमी मनोज सारथी ने ब्लेड से हमला कर दिया। इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्यवाही की जा रही है।

कुसमुण्डा जीएम का फूंका पुतला, जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कुसमुंडा परियोजना से प्रभावित भूविस्थापितों ने नौकरी की मांग को लेकर कुसमुंडा महाप्रबंधक व

खास बात

- एसईसीएल कुसमुंडा खदान से प्रभावित भूविस्थापितों का मामला

एसईसीएल के सीएमडी का पुतला दहन कर अपना विरोध जताया। भूविस्थापितों का आरोप है कि लंबे अर्से से जमीन अधिग्रहण के बाद भी अब तक उन्हें नौकरी नहीं दी गई है। यही वजह है कि उन्हें आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ रहा है। भूविस्थापितों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा।

पुतला दहन के दौरान उपस्थित भूविस्थापित।

भूविस्थापित परिवारों में एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है। कुसमुंडा परियोजना में पूर्व में दी गई फर्जी नौकरियों के कारण अनेक भूविस्थापित परिवार के लोग नौकरी के लिए भटक रहे हैं। विस्थापितों के खातों में दूसरों को फर्जी नौकरी देने का आरोप लगाते हुए भूविस्थापित रोजगार एकता महिला किसान के बैनर तले महिलाओं के द्वारा शुक्रवार को जीएम कार्यालय के भीतर अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया गया था। इस प्रदर्शन के दूसरे दिन शनिवार को एक बार फिर कुसमुण्डा जीएम सचिन पाटिल और सीएमडी का महाप्रबंधक ⏭ शेष पेज 3 पर

सहमति व शासन के सत्यापन के बाद दी गई नौकरी

कुसमुंडा खदान से प्रभावित भूविस्थापितों के आंदोलन को लेकर एसईसीएल प्रबंधन ने सफाई दी है कि जिनकी जमीन ली गई है उनके द्वारा दिए सहमति के आधार पर एवं राज्य शासन की इकाईयों के द्वारा किए गए सत्यापन के उपरांत ही नौकरी दी गई है, तो इसमें एसईसीएल की गलती कहां है। वहीं भूविस्थापितों का आरोप है कि तत्कालीन अधिकारी अनुपम दास द्वारा अनेक लोगों को फर्जी नौकरियां लगवाई गई है।

ग्रामीणों की शिकायत के बाद मंडल की टीम ने राइसमिल का किया था निरीक्षण

अनुराग राइसमिल को पर्यावरण संरक्षण मंडल ने कराया बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्रामीणों की शिकायत के बाद ग्राम लखनपुर में संचालित अनुराग राईस

खास बात

- पर्यावरण संरक्षण ने यूनिट 2 का गैर कानूनी रूप से संचालन करते पाया

मिल के निरीक्षण के बाद यूनिट नंबर 2 को बिना अनुमति संचालित किए जाने को लेकर पर्यावरण संरक्षण मंडल ने राईस मिल को बंद कर दिया है। वहीं विद्युत वितरण विभाग द्वारा बिजली कनेक्शन भी काट दिया गया है।

फाइल फोटो

ग्राम लखनपुर में बिना वैध संचालन अनुमति के चल रही चावल मिल के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने कार्रवाई की है। ग्रामवासियों द्वारा प्रदूषण की लगातार शिकायतों के बाद पर्यावरण संरक्षण मंडल की टीम ने 16 जुलाई को स्थल का निरीक्षण किया, जिसमें अनुराग राइस मिल यूनिट 2 को नियमों की अनदेखी करते हुए गैरकानूनी रूप से संचालित पाया गया। निरीक्षण में यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि, मिल के पास संचालन की वैध सहमति नहीं थी। इसके बावजूद औद्योगिक गतिविधियाँ पूरी गति से जारी थीं। यह कृत्य जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 25, 26 और वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम, 1981 की धारा 21 का सीधा उल्लंघन है। पर्यावरण संरक्षण मंडल ने इसे गंभीर मानते हुए, क्लोजर डायरेक्शन जारी किया। विद्युत विभाग को पत्र भेजकर संयंत्र की बिजली आपूर्ति काटने की अनुशंसा की। पर्यावरण निर्देशों के अनुपालन में शनिवार को विद्युत विभाग ने अनुराग राइस मिल की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। मिल में पूरी तरह से उत्पादन ठप कर दिया गया है। पर्यावरण संरक्षण मंडल ने स्पष्ट किया है कि, किसी भी औद्योगिक इकाई द्वारा बिना वैध अनुमति के संचालन करना कानूनन अपराध है। ऐसा करना पर्यावरण और जनस्वास्थ्य दोनों के लिए घातक है।

स्थानीय निवासियों में जगी राहत की उम्मीद

ग्राम लखनपुर के निवासी लंबे समय से मिल द्वारा धूल, ध्वनि और जल प्रदूषण से परेशान थे। कार्रवाई के बाद अब उन्हें स्वच्छ वातावरण की उम्मीद है। यह कार्रवाई एक कड़ा संदेश है कि पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी अब माफ नहीं की जाएगी। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक इकाइयों को अब संचालन से पहले अनिवार्य अनुमतियाँ प्राप्त करना होगा, वरना सख्त प्रशासनिक कार्रवाई के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

किसान 31 तक फसलों का करा सकते हैं बीमा

कोरबा। खरीफ 2025 सीजन के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, असमय वर्षा, सूखा, ओलावृष्टि, कीट प्रकोप और अन्य जोखिमों से फसल को होने वाली क्षति के विरूद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करना और खेती को एक सुरक्षित व लाभकारी व्यवसाय बनाना है। इस योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वचलित रूप से कर दिया जायेगा। बशर्तें उन्होंने खरीफ 2025 के लिए फसल ऋण लिया हो।

खबर संक्षेप

श्री वेंकटेश चिकित्सालय में निःशुल्क परामर्श आज

बिलासपुर। मूर्ति भगवान श्री वेंकटेश जी ट्रस्ट द्वारा निः शुल्क धर्मार्थ चिकित्सालय वेंकटेश परिसर सीपत चौक सरकंडा में 20 जुलाई रविवार को एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 9. 30 बजे से दोपहर 12.30 तक रहेगा। इसमें डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ.अरिहंत जैन अपनी सेवाएं देंगे।

ओयू की प्री बीएड-डीएलएड प्रवेश परीक्षा आज

बिलासपुर। पं. सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा प्री-बीएड, प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा 20 जुलाई रविवार को आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा दो पालियों में होगा, जिसमें पहले पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12. 15 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगी। प्री-बीएड, प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 96 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं जिसमें बिलासपुर जिले में 22 है। प्री-बीएड प्रवेश परीक्षा 33 केन्द्रों में होगी, जबकि प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा 94 केन्द्रों में होगी। प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा में 40559 परीक्षार्थी एवं प्री-बीएड प्रवेश परीक्षा में 14204 परीक्षार्थी शामिल होंगे। ओपन यूनिवर्सिटी की ओर से इस परीक्षा के लिए आवश्यक तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

पीजी में प्रवेश लिए सेकंड राउंड रजिस्ट्रेशन शुरू

बिलासपुर। अटल यूनिवर्सिटी अंतर्गत कालेजों में स्नातकोत्तर पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय चरण का आनलाइन रजिस्ट्रेशन शनिवार से शुरू हो गया है। द्वितीय चरण का रजिस्ट्रेशन 26 जुलाई तक होगा, उसके बाद 28 जुलाई को मेरिट लिस्ट निकाली जाएगी। अटल यूनिवर्सिटी से संबद्ध कालेजों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर पाठयक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए 7 जुलाई से यूनिवर्सिटी के पोर्टल में आनलाइन रजिस्ट्रेशन चालू हुआ था, जिसकी अंतिम तिथि 16 जुलाई थी। इसमें जितने छात्र-छात्राएं आनलाइन रजिस्ट्रेशन, फार्म भरे थे, उनकी कालेजों द्वारा मेरिट लिस्ट 17 जुलाई को निकाली गई थी और 22 जुलाई तक एडमिशन दिया गया। आज से द्वितीय चरण का आनलाइन रजिस्ट्रेशन यूनिवर्सिटी के पोर्टल में चालू हो गया है। 26 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन होगा और उसके बाद 28 जुलाई को कालेजों द्वारा लिस्ट निकाली जाएगी।

सत्संग भवन में निरंकारी महिला संत समागम आज

बिलासपुर। संत निरंकारी मिशन शाखा बिलासपुर में सद्गुरू माता सुदीक्षा महाराज की कृपा से बहन सरिता झारखंड के सानिध्य में 20 जुलाई रविवार को प्रातः 11 से 2 बजे तक सत्संग भवन इमलीपारा में जोन-स्तरीय एक दिवसीय निरंकारी महिला संत समागम का आयोजन किया गया है। समागम में बिलासपुर जोन के कोरबा, जांजगीर-चाम्पा, पेण्ड्रा, बिल्हा, चकरभाठा, अम्बिकापुर, पत्थलगांव से महिलाएं शामिल होंगी। सत्संग के साथ ही नाटक, स्क्रीट, गीतों व नृत्य द्वारा परमात्मा के ज्ञान की सिखलाई भी देगें। अंत में गुरू प्रसाद लंगर की भी व्यवस्था की गई।

उधार में 2 हजार रुपए नहीं देने पर युवक से मारपीट, अपराध दर्ज

अम्बिकापुर। लखनपुर थाना क्षेत्र निवासी घनश्याम दास आ. चिल्हो दास (28 वर्ष) घर के समीप दुकान में अंडा लेने गया था। इसी दौरान गांव के ही अनिल पैकरा पहुंचा और घनश्याम से 2 हजार रुपए मांगने लगा। जिस पर घनश्याम ने उसकी पत्नी द्वारा मना करने पर पैसा देने से इंकार कर दिया। युवक द्वारा पैसा नहीं देने से नाराज हुए अनिल पैकरा ने गाली-गलौज करते हुए उसकी बेदम पिटाई कर दी। घटना को देख परिजन सहित आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़ित युवक ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 351(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

निजी अस्पतालों के दलालों का स्वास्थ्य केन्द्रों पर कब्जा

कमीशन की आड़ में चल रहा गोरखधंधा

- 10 से 25 फीसदी का कमीशन ले मरीजों को भेज रहे निजी अस्पताल
- प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के डाक्टर से लेकर स्टाफ तक पहुंच रहे दलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल किसी से छिपा नहीं है, मरीजों लंबी लाइन, घंटों जांच का इंतजार और बदहाल चिकित्सीय सुविधाओं का डर दिखा निजी अस्पतालों के दलाल उन्हें आर्थिक चोट पहुंचा रहे हैं। इसमें स्वास्थ्य विभाग डाक्टर और स्टाफ भी मोटे कमीशन के चलते उन्हें मजबूर कर रहे हैं। हरिभूमि की टीम के पास ऐसे दलालों की विडियो और फोटो उपलब्ध है, जो अस्पताल में घुमकर डाक्टरों से संपर्क साध रहे हैं।

अलग खबर

निजी अस्पताल का शिकंजा अब प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक पहुंच चुका है, जिसकी गिरफ्त में मरीज ना चाह कर भी फंस रहा है और मरीजों को फंसाने में स्वास्थ्य केन्द्रों के डाक्टर और स्टाफ शामिल हो रहे हैं। बदले में इसके निजी अस्पतालों के द्वारा 10 से 25 फीसदी का कमीशन देने का वादा किया जा रहा है। खास बात यह है कि इस काम के लिए दलाल मितानिन, आरएमए, फार्मसिस्ट और डाक्टर सहित कर्मचारियों से संपर्क करते हैं, केन्द्र में रोजाना मरीजों को बैठकर काउंसिलिंग कर निजी अस्पताल ले जा रहे है। खास बात यह है कि केन्द्र के प्रमुख अधिकारियों के सामने यह काम हो रहा है और इनपर लगाम नहीं लग रही है। मामला मस्तूरी स्वास्थ्य केन्द्र का है, जहां शनिवार को शहर के बड़े निजी अस्पताल के दो दलाल अलग-अलग जगहों पर बैठकर पहले मितानिनों को कमीशन का पाठ पढ़ा रहे थे, वहीं ओपीडी में पहुंचकर एक-एक कर मरीजों को अपने अस्पताल का पर्ची थमा रहे थे, इस दौरान मरीज द्वारा अपनी पीड़ा बताने पर उन्हें बेहतर और इलाज का झांसा भी दे रहे थे। आयुष्मान कार्ड में भरोसे सारा काम फ्री में होने का दावा कर रहते हुए, केन्द्र से मरीज को फ्री में निजी अस्पताल ले जाने तक की बात भी दलालों के द्वारा की जा रही है। जिस जगह पर दलाल सक्रिय हो रहे हैं, वह पूरा अस्पताल परिसर है, जहां सरकारी डाक्टर बैठकर मरीजों का इलाज कर रहा है, दलाल परिसर में घुसकर ओपीडी से मरीजों को बरगला रहे हैं।

मस्तूरी स्वास्थ्य केन्द्र की पुरानी बिल्डिंग को बिना ग्रीन नेट व सुरक्षा के तोड़ा जा रहा है। बारिश के पानी के कारण परिसर टापू बन चुका है।

ओपीडी में बैठा निजी अस्पताल का दलाल।

की जाएगी कार्रवाई

सरकारी अस्पतालों में अस्पताल परिसर के अंदर निजी अस्पतालों की दखल बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। इसपर तत्काल नियंत्रण लगाने के लिए निर्देश जारी किए जाएंगे। इसके बाद भी ऐसी स्थिति सामने आने पर स्वास्थ्य अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

डॉ वंदना सिसोदिया
संयुक्त संचालक
स्वास्थ्य विभाग

अस्पताल को बना दिया प्रयोगशाला

मस्तूरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माणधीन है, पुरानी बिल्डिंग को ढहाने का काम जारी है, लेकिन इसके लिए सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। बिना ग्रीन नेट के पुरानी बिल्डिंग को ड्रिलिंग की मदद से तोड़ा जा रहा है, धूल और गर्दे से मरीजों के स्वास्थ्य पर ही विपरीत असर पड़ रहा है। वहीं मलबे के कारण पानी की निकासी नहीं हो रही है, बारिश होते ही पूरा परिसर ही तालाब सा नजर आने लगता है। इस दौरान लोगों को केन्द्र जाने में दिक्कत होती है, मरीजों को पगडंडियों के सहारे केन्द्र तक पहुंचना पड़ता है, यह अंदाजा लगाना भी मुश्किल है कि गंभीर मरीजों किस तरह अस्पताल में दाखिल हो सकते हैं।

गोबर और बदबू से सामना

खास बात यह है कि नई बिल्डिंग हाल ही में बनाई गई है, कलेक्टर,संयुक्त संचालक, सीएमएचओ और अन्य आला अधिकारी स्वास्थ्य केन्द्र का दौरा कर चुके हैं, लेकिन नई बिल्डिंग के गलियारे पान और गुटखे के थूक से रंगे हैं। वहीं परिसर में मवेशियों के गोबर और बदबू मरीजों का सामना हो रहा है। कहा जा सकता है मरीजों का स्वास्थ्य सुधारने वाला केन्द्र खुद में बीमार का प्रतीत हो रहा है।

ढेका में बन रही 2 किमी की सड़क में जमकर मुआवजे का खेला गया खेल

मुआवजा लेने खेतिहर जमीन को वर्गफीट में बांटा खसरा, रकबा, बटांकन नंबर भी दर्ज कर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बिलासपुर के ढेका ग्राम पंचायत में बन रही 2 किमी की सड़क में जमकर मुआवजे का खेल खेला गया। शासन द्वारा जमीन अधिग्रहण की जानकारी मिलने के साथ ही जमीन दलाल और कुछ शासकीय कर्मचारी सक्रिय हो गए। जिन किसानों की जमीन सड़क के लिए अधिग्रहित की जानी थी उनसे संपर्क किया गया। एक जमीन जिसका मुआवजा एकड़ में दिया जाना था उसे 4 से 5 भाग में बांटा गया और डिसमिल के साथ ही वर्गफिट में मुआवजे की रिपोर्ट तैयार की गई। इसी कारण कुल 24 किसान जो की वास्तविक में मुआवजे के हकदार थे उनकी जगह किसानों की संख्या बढ़कर 76 हो गई। इसी कारण जहां साढ़े तीन करोड़ रुपए मुआवजा बांटा जाना था वह बढ़कर 15 करोड़ तक पहुंच गया। एनएचएआई के अधिकारियों ने इस पर आपत्ति भी जताई थी। आपत्ति के बाद जांच रिपोर्ट को राजस्व विभाग को भेजा गया था और मुआवजा वितरण फिलहाल रोक दिया गया है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बिलासपुर-उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग - 130 ए का निर्माण किया जा रहा है। 1,520 करोड़ रुपए की इस परियोजना का काम वर्ष 2022 में शुरू हुआ था और इसे 2025 जून तक पूरा किया जाना था लेकिन इसमें देरी हो रही है। बिलासपुर के ढेका गांव से उरगा तक 70 किलोमीटर लंबी इस सड़क परियोजना का काम फिलहाल ढेका में आधा किलोमीटर की भूमि पर बटांकन विवाद के चलते रुका हुआ है। इस सड़क निर्माण के लिए 2017-18 में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

एक महीने में बनी 150 से अधिक फर्जी ऋण पुस्तिका, सभी जमीनों का बटांकन भी एक ही दिन, मुआवजा राशि साढ़े तीन करोड़ से 15 करोड़ तक पहुंची

70 किलोमीटर की सड़क समय पर बन गई, बटांकन विवाद के कारण दो साल से रुका है आधा किलोमीटर का काम

हरिभूमि में प्रकाशित खबर

30 प्रतिशत कमीशन पर हुआ पूरा खेल

हरिभूमि ने इस मामले में ढेका के कुछ किसानों और भूस्वामियों से बात की। इनका कहना है कि परियोजना के शुरू होने की जानकारी मिलते ही जमीन दलालों ने एग्रीमेंट कर कम कीमतों में जमीन खरीदी। इसका भुगतान भी नहीं किया। अधिग्रहण के बाद मुआवजा राशि में मिलने पर बकाया देने का वायदा किया लेकिन, आज तक उन्हें कुछ नहीं दिया गया। फर्जी तरीके से कई लोगों के नाम पर एक ही जमीन के टुकड़े किए गए जबकि उक्त लोगों का इस क्षेत्र से कोई वास्ता नहीं है। पूरा खेल 20 से 30 प्रतिशत कमीशन पर खेला गया। एक किसान की एक एकड़ जमीन के लिए 4 गांव के ही चार लोगों को तैयार किया गया। इनके नाम 25-25 डिसमिल जमीन की रजिस्ट्री की गई। इससे की मुआवजा एकड़ की जगह वर्गफीट में मिले। खरीददारों को कहा गया कि जो भी मुआवजा मिलेगा उसका 30 प्रतिशत दिया जाएगा। बाद में जमीन असली किसान के पास वापस भी बेच दी जाएगी। कई किसान इसके लिए राजी भी हो गए तो कुछ ने मना कर दिया।

लगातार आपत्ति के बाद जांच जारी, किसानों को मुआवजा वितरण फिलहाल रोक दिया

विस्तृत जांच जारी

जांच में कई गड़बड़ी पाई गई है। मूल खसरे को संबंधित भूमि स्वामी द्वारा बंटवारा किए जाने से छोटे-छोटे भू खण्डों में विभाजित हुआ। बंटवारा होने से अवार्ड के मुआवजा राशि में वृद्धि हुई है। इसी आधार पर एफआईआर कराई गई है। विस्तृत जांच जारी है।

- मनीष साहू, एसडीएम
भू-अर्जन अधिकारी

शासन को उठाना पड़ा आर्थिक नुकसान

मुआवजे की रकम हड़पने के लिए गिरोह ने इस गिरोह ने पूरी साजिश रची। किसानों के रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर जमीन का बटांकन करते हुए ऋण पुस्तिका बनाई गई। खास बात है कि सभी जमीनों का बटांकन एक ही दिन 23 अक्टूबर 2017 को किया गया। इसके आधार पर नामांतरण और बंटवारे की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके कारण भूमि अधिग्रहण में वास्तविक से अधिक मुआवजा राशि की गणना हुई। इस गड़बड़ी के कारण शासन को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा और वर्तमान में प्रकरण लंबित होने के चलते मुआवजा वितरण नहीं हो सका है। नायब तहसीलदार की शिकायत पर तोरवा पुलिस ने आईपीएसी की धारा 420, 34, 467, 468, 471 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

एक ही परिवार के हुए 10 से अधिक टुकड़े

इस मामले में गड़बड़ी की शिकायत पर जब प्रारंभिक जांच हुई तो कई मामले सामने आए। यहां तक कि कुछ स्थानीय अधिकारियों ने बैक डेट में जाकर दस्तावेजों में गड़बड़ी की और वास्तविक जमीन मालिक को नुकसान पहुंचाया। यह नहीं ग्राम ठेका के एक परिवार के पास 3 एकड़ जमीन थी। वहीं जमीन सर्वे होने और अधिग्रहण के ठीक कुछ दिन पहले एक ही परिवार के 10 लोगों के नाम पर बांट दी गई और अधिक मुआवजे का प्रकरण बना दिया। इस घोटाले में जमीन दलाल से लेकर पटवारी और आरआई की भूमिका संदिग्ध मिली है। यही नहीं बाकायदा सभी में जमीनों के खसरे नंबर, उनका रकबा, उनका बटांकन नंबर भी दर्ज कर दिया। यहां तक की सील और साइन भी फर्जी लगाए गए।

पीछा कर कार सवार दो युवकों को पकड़ा, 284 किलो गांजा जब्त

बिलासपुर। एसीसीयू की टीम ने रायपुर रोड से पीछा करते हुए रेलवे क्षेत्र में घेराबंदी कर कार सवार दो युवकों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास 284 किलो गांजा मिला है। जब्त कार व गांजा की कीमत 35 लाख रुपए बताई जा रही है।

एसएसपी रजनेश सिंह को सूचना मिली रायपुर रोड से कार में बड़ी खेप में गांजा लाया जा रहा है। एसएसपी श्री सिंह के निर्देश पर एसीसीयू टीम के प्रभारी एडीशनल एसपी अनुज कुमार, सीएसपी निमितेश सिंह, राहुल सिंह, प्रेम सूर्यवंशी, रवि यादव, महादेव कुजूर, अविनाश कश्यप एव अन्य रायपुर रोड भोजपुरी टोल प्लाजा के पास तैनात हो गए। इसी दौरान रायपुर की ओर सफेद रंग की अर्टिगा क्रमांक सीजी 04 ओसी, 4577 आती नजर आई। टोल प्लाजा पार करने के बाद टीम गाड़ी के पीछे लग गई। कार सकरी ओवरब्रिज पार करते हुए कोनी तुर्काडीह चौक पर रास्ता भटककर शहर के अंदर घुस गई। शहर के रास्ते हुए कार गुरूनानक चौक की ओर जा रही थी और एसीसीयू टीम उसके पीछे लगी थी।

इसी दौरान तोरवा पुलिस को सूचना देकर जगमल चौक के पास घेराबंदी कर दी गई। चौक पर बड़ी संख्या में पुलिस को देखकर कार सवार गाड़ी मोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान एसीसीयू टीम ने कार सवार दो युवकों को पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर अलग अलग पैकेट में 284 किलो गांजा, 3 मोबाइल मिला। टीम ने गांजा सहित कार व युवकों को कार्रवाई के लिए तोरवा पुलिस को सौंप दिया। जब्त गांजा, कार व मोबाइल कीमत 35 लाख रुपए बताई जा रही है। तोरवा पुलिस ने एनडीपीएस की धारा 20 बी, 2 सी के तहत गांजा जब्त कर युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों से गांजा के संबंध में पूछताछ कर एण्ड टू एण्ड कार्रवाई करने में लगी हुई है।

पकड़े गए आरोपी

- गजेन्द्र गोस्वामी उर्फ बिट्टू पिता द्रोणाचार्य गोस्वामी 26 साल देवधरा मंडला मध्य प्रदेश
- नयन कुमार पिता कृष्ण कुमार 25 साल महता घनसौर शिवनी मध्य प्रदेश

रास्ता भटकने से पकड़े गए

आरोपी ओडिशा से गांजा खरीदकर रायपुर होते हुए रतनपुर मार्ग से मध्य प्रदेश लेकर जा रहे थे, किन्तु कोनी तुर्काडीह चौक में युवक रास्ता भटक गए और कार रतनपुर की ओर मोड़ने की बजाए कोनी की ओर मोड़ दिए। उन्हें यह भी भनक लग गई थी पुलिस उनका पीछा कर रही है। शहर के अंदर घेराबंदी में फंसकर पकड़े गए।

सिरगिट्टी में एण्ड टू एण्ड कार्रवाई नहीं हुई

18 मई को एसीसीयू टीम ने सिरगिट्टी क्षेत्र में दबिश देकर मुंगेली सेमरचुआ निवासी लक्ष्मी पटेल, संजय गढ़ेवाल को पकड़कर 20 किलो गांजा बरामद किया था। पूछताछ में दोनों ने बलौदाबाजार कसडोल के मुख्य सप्लायर गांजा बिक्री करने के लिए भेजना बताया था। मजेदार बात यह है कि 2 माह बाद भी पुलिस मुख्य सप्लायर को नहीं पकड़ पाई है।

नदी पार करते समय आई बाढ़, बीच में ही फंसा ग्रामीण, ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाल गया बाहर

अम्बिकापुर। शनिवार को मैनपाट में हुई मूसलाधार बारिश के बाद नदी नाले एक बार फिर से उफान पर आ गए है। इस दौरान घुनघुट्टा नदी पार करते समय एक ग्रामीण बीच नदी में फंस गया। नदी पार करते समय आई बाढ़ में ग्रामीण बुरी तरह से फंस गया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ से कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीण को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि मैनपाट विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम कदनई लोटाभवना निवासी रतुराम मझवार आ. बुधन शनिवार की दोपहर किसी काम से गांव में पड़ने वाली घुनघुट्टा नदी को पार कर नदी के दूसरी ओर गया हुआ था। इधर मैनपाट क्षेत्र में शनिवार को दो घंटे से अधिक समय तक मूसलाधार बारिश हुई जिससे नदी नाले उफान पर आग गए थे। दोपहर में ग्रामीण पुनः नदी को पार कर वापस अपने घर जा रहा था। इस दौरान वह जैसे ही बीच नदी में पहुंचा अचानक ही नदी का जल स्तर बढ़ने लगा और वह बाढ़ में फंस गया। नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ने के कारण ग्रामीण किसी तरह पत्थर पर चढ़ गया लेकिन बाढ़ में ग्रामीण फंस गया था। गनीमत रही कि ग्रामीण को तैरना आता था इस लिए वह नदी के बीच में घबराया नहीं। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों द्वारा किसी तरह ग्रामीण को नदी से बाहर निकाला। इस दौरान ग्रामीण दो से ढाई घंटे तक बाढ़ में फंसा रहा।

कीटनाशक पीने से गंभीर ग्रामीण की गई जान

अम्बिकापुर। सीतापुर थाना अंतर्गत ग्राम बगडोली कठपारा निवासी विफल राम आ. लोसी राम (37 वर्ष) 15 जुलाई को पति के कहने पर पत्नी मुर्गो बाई मायके तेलाईकछार पुटूकेला रोपा लगाने चली। इसी बीच गत दिन विफल राम ने नशे की हालत में कीटनाशक पी लिया। घटना की जानकारी लगने पर परिजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने का सिस्टम ही अपंग, सामान्य बच्चों के बीच बैठकर न तो इनकी पढ़ाई हो रही है और न ही हालात बदल रहे

70 हजार दिव्यांगों को पढ़ाने चाहिए 6 हजार शिक्षक, प्रदेश में 270 की ही नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। हालात ऐसे हैं कि 350 बच्चों के लिए सिर्फ एक ही शिक्षक उपलब्ध है।

- एक साल पहले 100 पदों पर भर्ती का बनाया था प्रस्ताव इस पर भी अमल नहीं

आकड़ों की बात करें तो प्रदेश में 70 हजार से ज्यादा दिव्यांग बच्चे बताए जा रहे हैं। इन्हें पढ़ाने के लिए सिर्फ 270 शिक्षकों की ही व्यवस्था है। एक साल पहले 100 विशेष शिक्षकों की भर्ती के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था लेकिन अब तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी है। स्कूलों में भी बच्चों को सुविधाएं नहीं मिल पा रहीं हैं। वर्तमान में यह व्यवस्था बना दी गई है कि सामान्य स्कूलों में ही बैठाकर इन बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। हकीकत यह है कि इन स्कूलों में सामान्य बच्चों के बीच बैठकर न तो इनकी पढ़ाई हो रही है और न ही इन बच्चों के हालात बदल रहे हैं। बिलासपुर जिले में 6 हजार से ज्यादा दिव्यांग बच्चे हैं, इन्हें पढ़ाने के लिए सिर्फ 10 शिक्षकों की व्यवस्था की गई है।

देखा जाए तो नियमानुसार प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 10 दिव्यांग बच्चों के लिए 1 शिक्षक और माध्यमिक व हायर स्तर पर पढ़ने वाले 15 बच्चों के लिए एक शिक्षक होना चाहिए। लेकिन यहां तो 350 बच्चों के लिए एक शिक्षक ही है। यह शिक्षक भी सिर्फ 4-5 स्कूलों को कवर कर पाते हैं क्योंकि स्कूलों की दूरी ज्यादा होती है। ऐसे में सभी जगह पर जाना संभव नहीं है। आकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में 70 हजार से ज्यादा दिव्यांग बच्चे हैं। इनके लिए लगभग 6 हजार विशेष शिक्षक होने चाहिए। लेकिन वर्तमान में महज 160 बीआरपी और 110 विशेष शिक्षक हैं। यानि 350 बच्चों की जिम्मेदारी 1 शिक्षक पर है। बिलासपुर के करीब 6 हजार बच्चों के लिए 5 बीआरपी और 5 विशेष शिक्षकों की जरूरत है लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

डेढ़ करोड़ रुपये का बजट भी स्वीकृत

गौरतलब है कि सालभर पहले ही समग्र शिक्षा मिशन की ओर से स्कूलों को पत्र लिखा गया था। जिसमें दिव्यांग बच्चों के लिए 100 शिक्षकों की भर्ती करने की बात कही गई थी। इसके लिए करीब डेढ़ करोड़ रुपये का बजट भी स्वीकृत किया जा चुका है। लेकिन भर्ती नहीं होने की वजह से बच्चों को सुविधा नहीं मिल पा रही है। कुछ नए पदों पर बतौर संविदा नियुक्ति भी की गई है लेकिन सालों से इनका संविलियन नहीं किया जा रहा तो नियमित भी यह शिक्षक नहीं हो पा रहें हैं। शिक्षक संघ का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों में विकासखंड स्तर पर कुल 240 बीआरपी समावेशी समन्वयक एवं विशेष शिक्षक विगत 14 से 18 वर्षों से कार्यरत हैं। इनमें से लगभग 107 साथी ऐसे हैं जिन्होंने विगत 14 से 15 साल तक सेवा देते-देते दिव्यांग बच्चों के लिए कार्य करते-करते उनकी उम्र 50 वर्ष से भी अधिक हो चुकी है।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी लगा चुके हैं फटकार

गौरतलब है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षकों की नियुक्ति के आदेशों का पालन नहीं करने पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके 2021 के फैसले के बावजूद किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने ऐसे स्वीकृत पदों पर नियुक्तियां नहीं कीं। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करने का दावा करने वाले 17 शिक्षकों द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि शिक्षा के अधिकार को सफल बनाने के लिए बच्चों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मदद करने हेतु प्रत्येक स्कूल में योग्य पेशेवरों की नियुक्ति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चयन और नियुक्ति केवल योग्य, सक्षम या पात्र शिक्षकों का ही किया जाना चाहिए।

खबर संक्षेप

लायंस क्लब द्वारा ट्रीगार्ड के साथ किया गया पौधरोपण

कोरबा। लायंस क्लब ऑफ कोरबा शनिवार को बाल विहार उ.मा. विद्यालय पम्प हाऊस में पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधा रोपण कार्यक्रम किया गया। जिसके अन्तर्गत 40 छायादार एवं फलदार पौधा लगाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन रोहित राजवाड़े ने किया। कार्यक्रम में पीएमजेएफ लायन जयप्रकाश अग्रवाल, लायन रविशंकर सिंह, एमजेएफ लायन एसके अग्रवाल, एमजेएफ लायन राजकुमार अग्रवाल (श्वेता), लायन सत्येन्द्र वासन, लायन दीपक माखीजा, लायन राजकुमार अग्रवाल (उत्सव), लायन संतोष खरे, लायन अरविन्द साहू, लायन मधु पाण्डेय, लायन मनमोहन यादव, लायन पुरुषोत्तम अग्रवाल, लायन राकेश अग्रवाल, राकेश अरोरा, इन्द्रराज, प्राचार्य केएम बिमिल कुमार एवं अन्य लायन सदस्य उपस्थित रहे।

सुरेश बने नगर निगम के विधिक सलाहकार

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के मंडल बालको में पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल की उपस्थिति में जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य पूर्व उपाध्यक्ष, पब्लिक नोटरी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुरेश कुमार शर्मा को नगर निगम के विधिक सलाहकार नियुक्त होने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दिया गया। इस दौरान पूर्व महामंत्री सुमित तिवारी, पूर्व पार्षद लोकेश चौहान, मंडल अध्यक्ष डिलेंद्र यादव, महामंत्री संपत यादव, मंडल उपाध्यक्ष मनोज भारिया, अधिवक्ता रवि मानिकपुरी, राजा शर्मा, अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद मांझी सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएचएमओ ने किया स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बिना सूचना के मुख्यालय छोड़ने पर रोक

स्वास्थ्य कार्यकर्ता से जानकारी लेते सीएमएचओ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बारिश के मौसम में संक्रमित बीमारियों के फैलाव को देखते हुए मैदानी स्तर में पदस्थ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। सीएचएमओ ने शहरी क्षेत्र के स्लम क्षेत्र में संचालित उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी द्वारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) ढोढ़ीपारा, हमर क्लीनिक पथर्रीपारा एवं रिसदी स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, दवा भंडार, पैथोलॉजी सहित विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की एवं दस्तावेजों की जांच की।

इस दौरान सीएमएचओ ने पाई गई कमियों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डॉ. केशरी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु में बढ़ने वाली मौसमी बीमारियों एवं सर्पदंश के इलाज हेतु सभी आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ढोढ़ीपारा स्वास्थ्य केन्द्र में लक्ष्य अनुरूप संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने एवं सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में 100 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही उन्होंने समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर उपस्थिति दर्ज करने और बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने की सख्त हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेवाओं को और बेहतर करने हेतु समर्पण भाव से कार्य करने अपील की।

उपमुख्यमंत्री आज करेंगे एमजेएम हॉस्पिटल का शुभारंभ

हेल्थ प्लस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

मीना जैन मेमोरियल (एमजेएम) हॉस्पिटल का शुभारंभ 19 जुलाई को किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरूण साव उप मुख्यमंत्री होंगे। समारोह की अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन करेंगे। इस दौरान महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत उपस्थित रहेंगी। नया बस स्टैंड, विशाल मेगामार्ट के सामने हॉस्पिटल का शुभारम्भ दोपहर 2 बजे से किया जाएगा। डॉ. प्रिंस जैन ने बताया कि मीना जैन मेमोरियल हॉस्पिटल से स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक क्रांति आएगी। वर्षों से इंतजार था एक ऐसे अस्पताल का जो इलाज में गुणवत्ता भी दे और खर्च में राहत भी। अब यह इंतजार खत्म हो रहा है, क्योंकि मीना जैन मेमोरियल हॉस्पिटल का शुभारंभ में हो रहा है। एक ऐसा मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जो न सिर्फ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, बल्कि कोरबा का सबसे भरोसेमंद और किफायती अस्पताल भी साबित होने जा रहा है। एमजेएम की खासियत है कि यह रायपुर जैसी सुविधाएं, अब कोरबा में आधे से भी कम खर्च पर उपलब्ध करा रहा है। यह हॉस्पिटल एक ही छत के नीचे 100 बेड, 22 बेड आईसीयू, 5 बेड एनआईसीयू, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, 24 घंटे इमरजेंसी, सोनोग्राफी, एक्सरे, सीटी स्कैन और हाईटेक पैथोलॉजी लैब की सुविधाएं देगा। इसके अलावा 24 घंटे की सुविधा, नॉर्मल और ऑपरेशन डिलीवरी, महिला चिकित्सा सेवाएं, इको, टीएमटी, हार्ट अटैक यूनिट व फिजियोथेरेपी, फार्मेसी, कार्डियक एम्बुलेंस, प्राइवेट/सेमी प्राइवेट रूम की सुविधाएं शामिल हैं।

पूर्व मंत्री ने गरीबों का आशियाना तोड़ने का किया विरोध,लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जयासिंह अग्रवाल

जिला प्रशासन द्वारा जनहित के कार्यों के प्रति उदासीनता बरतने और गरीबों के मकान तोड़कर बरसात के मौसम में उन्हें बेघर करने, बालकोनगर वार्ड 45 परसाभाठा के 39 दुकानदारों को बेदखल करने तथा कोरबा पुराना बस स्टैण्ड स्थित गीतांजली कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों की लीज निरस्त करने की धमकी देने के साथ ही कुसमुण्डा खदान प्रबंधन की वादा खिलाफियों से त्रस्त प्रभावित भूविस्थापित परिवारों द्वारा मजबूर होकर किए गए प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने जिला प्रशासन की कार्यशैली के संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। सीएम को लिखे पत्र में पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों की गंभीर स्थिति से अवगत कराते हुए लिखा है कि बरसात के मौसम में विगत दिनों जिला प्रशासन द्वारा बलपूर्वक इमलीछापर के 11 मकानों को तोड़ दिया गया। उस समय उन लोगों ने बरसात तक रूकने की मोहलत मांगी थी, जिसे जिला प्रशासन ने अनसुना कर दिया। मकान तोड़ने के बाद आज तक उन्हें कोई वैकल्पिक व्यवस्था दी गई और न ही मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है। श्री अग्रवाल ने मांग किया है कि जिस तरह सुनालिया ब्रिज के पास प्रस्तावित अण्डर ब्रिज की जद में आने वाले मकान मालिकों को डीएमएफ मद से उदारतापूर्वक मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है उसी प्रकार इमलीछापर में तोड़े.गए मकानों के लिए भी मुआवजा का भुगतान तत्काल किया जाना चाहिए। शहर की गंभीर यातायात समस्या का पूर्वानुमान लगाते हुए उनके कार्यकाल में परिवहन नगर को बरबसपुर में स्थानांतरित करने की शासन से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी थी, लेकिन वह कार्य भी ठंडे बस्ते में पड़ा है।

केसीसी के बीसीए व डीसीए के छात्रों का शत प्रतिशत रहा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्ध कोरबा कम्प्यूटर कॉलेज (केसीसी) पूर्व से ही उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाला महाविद्यालय रहा है। बीसीए एवं डीसीए में केसीसी का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम है। समिति के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के निर्देशक राजेश अग्रवाल ने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए सभी शिक्षकों को बधाई दी है एवं छात्र-छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इसी तरह मेहनत कर अपने सपनों को पूरा करें। बीसीए में राकेश कुमार 76.78 प्रतिशत प्रथम, डीतिका साहू 72.04 प्रतिशत द्वितीय एवं शादिया खातुन ने 70.22 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। डीसीए से निखिल कुमार 67.38 प्रतिशत प्रथम प्रिया बघेल ने 66.75 प्रतिशत द्वितीय एवं जीतेश कुमार केंवट ने 63.25 प्रतिशत अंकों से तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा बीसीए में शामिल सभी परीक्षार्थी शत-प्रतिशत उत्तीर्ण होकर संस्था एवं अपने परिजनो का नाम रोशन किया है तथा डीसीए में लगभग 90 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण हुए। बीसीए अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त राकेश कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय केसीसी के शिक्षकों को दिया। वहीं डीसीए के छात्र निखिल, राकेश कुमार, हीतिका साहू शादिया खातुन, निखिल कुमार प्रिया बघेल एवं जीतेश कुमार केंवट इन सभी छात्रों ने एक स्वर में केसीसी के अध्ययन, अध्यापन पद्धति, कम्प्यूटर लैब, पुस्तकालय की सुविधा एवं समय-समय पर शिक्षकों का मार्गदर्शन के कारण यह मुकाम हासिल हुआ। इस अवसर पर रीना लहरे, शहजादी सिद्धिकी, सुरभि बिसवास, मेधा सोनी, रूपाली जाटवर सुरभि राठौर, अंचल अग्रवाल, बालीदास महंत, ईरविन ईनेश कुमार, ऋषि शर्मा, उमाकांत कैवर्त एवं शिव प्रसाद निर्मलकर उपस्थित रहे।

पृष्ठ 1 का शेष

कुसमुंडा जीएम...

कार्यालय के मुख्य द्वार पर पुतला दहन किया गया। पुतला दहन से पहले भूविस्थापितों ने साड़ी पहने पुतले को लेकर जुलूस निकाला। जीएम व सीएमडी के पुतले के साथ दहन स्थल पर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए एक भूविस्थापित ने पुतले पर थूका और इसके बाद मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उसे फूंक दिया गया। इस दौरान भूविस्थापितों के चेहरे पर नाराजगी झलक रही थी और प्रबंधन के रवैया से वह काफी खफा नजर भी आए।

कोरबा मार्केट

खबर संक्षेप

ग्रीन डे मनाकर बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कोरबा। हरा रंग समृद्धि और सद्भाव का रंग बालको हाउसिंग बोर्ड में स्थित सुमी नर्सरी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के प्री प्रायमरी के नन्हे-मुन्नें बच्चों द्वारा ग्रीन डे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। ग्रीन डे बच्चों को प्रकृति से प्यार करना, उसकी देखभाल करना एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने उसे प्रदूषण से बचाने के महत्व को बताता है। हरा रंग सकारात्मकता, विकास और उर्वरता का प्रतीक बच्चो में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। इस अवसर बच्चों ने हरे रंग के परिधान में स्कूल पहुंचकर गीत, कविता एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कक्षा को हरे रंग के गुब्बारे, रिबन व विभिन्न क्राफ्ट वर्क से सजाया गया। विद्यालय के डायरेक्टर श्रीमान सूर्यकांत ठाकुर ने बच्चों को बताया कि यदि हम अपने जीवन से प्यार करते है, तो पेड़ पौधे से लगाव रखना अनिवार्य है, पेड़ पौधे है तो जीवन है। हम सबका कर्तव्य बनता है कि अधिक से अधिक पेड़ लगाए और उनको संरक्षित भी करें।

दीपका में स्कूली बच्चों को गणवेश का किया वितरण

गेवरा दीपका। शासन की योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष स्कूली बच्चों को गणवेश प्रदान किया जाता है। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 9 दीपका शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला दीपका में वार्ड पार्षद एवं विधायक प्रतिनिधि सुजीत सिंह द्वारा कक्षा पहली से आठवीं तक के सभी विद्यार्थियों को गणवेश वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष श्रीमती रुक्मणी साहू, संकुल शैक्षिक समन्वयक भवदीप कुमार दुबे, माध्यमिक शाला की प्रधान पाठिका श्रीमती कुसुम गौतम, प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक अजय कुमार पटेल, शिक्षिका श्रीमती बिना सिंहा एवं श्रीमती सविता कंवर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानपाठक द्वारा पार्षद सुजीत सिंह का आभार जताया। गणवेश प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह दिख रहा था।

महिला मंडल ने दो छात्रों के पढ़ाई की उठाई जिम्मेदारी

कोरबा। श्रद्धा महिला मण्डल एसईसीएल की अध्यक्ष श्रीमती शशि दुहन के मार्गदर्शन में आकृति महिला समिति, सेण्ट्ल वर्कशॉप सेण्ट्ल स्टोर्स कोरबा द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय एनसीडीसी, कोरबा में वर्ष 2025-26 में कक्षा 11 वीं में अध्ययनरत दो विद्यार्थी कुमार ईशा मंझवार, हरि साहू को गोद लेते हुए उनकी कक्षा 11वी एंव कक्षा 12वीं में पढाई की फीस एवं पाठ्य-पुस्तक में होनें वाले व्यय का जिम्मा आकृति महिला समिति द्वारा लिया गया है। इस अवसर पर आकृति महिला समिति, सेण्ट्ल वर्कशॉप-सेण्ट्ल स्टोर्स कोरबा की अध्यक्ष श्रीमती धंनलक्ष्मी सूर्यवंशी, सदस्या श्रीमती सीमा राव, श्रीमती संगीता यादव, श्रीमती प्रभाति पटुआ, श्रीमती रश्मि टंडन, श्रीमती तृप्ति नागराले एवं श्रीमती अर्चना दुबे आदि उपस्थित रहीं।

मवेशियों के गले में बांधा गया रेडियम पट्टी

कोरबा। जय मां सर्वमंगला गौ सेवाधाम कोरबा द्वारा गौवंशों को दुघर्टना से बचाव के लिए रेडियम पट्टी लगाई गई। सेवाधाम के गौ सेवक कार्यकर्ताओं के द्वारा निरंतर चौथे वर्ष यह कार्य आमजन और मवेशियों की सुरक्षा के मद्देनजर किया गया है। कटघोरा, भैसमा,पताढ़ी, पहंदा, सरगबुंदिया, बांकीमोंगरा, कोहड़यि, सर्वमंगला रोड, पुराना बस स्टैंड, सीतामणी के क्षेत्रों में 1200 से अधिक गौवशों के गले में गौसेवकों द्वारा रेडियम पट्टी लगाया गया। जन सहयोग से संचालित हो रहे गौ सेवा धाम के कार्यकर्ताओं ने रेडियम पट्टी लगाने का काम भी जन सहयोग के जरिए पूरा किया है।

ग्रामीण अंचलों के बड़े स्कूलों में बनेंगे मैदान

हायर सेकेंड्री स्कूल में खेल मैदान तैयार करने जमीन की जाएगी चयनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्रामीण अंचलों के हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल के आसपास खाली पड़ी जमीन में खेल मैदान बनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए शिक्षा विभाग और

खास बात

- खेलों को बढ़ावा देने शासकीय जमीनों को बनाया जाएगा मैदान

राजस्व विभाग स्कूल के समीप रिक्त पड़ी शासकीय जमीन का चिन्हांकन का काम करेगा इससे ग्रामीण अंचल के बड़े स्कूलों में खेल मैदान अस्तित्व में आएंगे।

खेल मैदान की आवश्यकता शहर के बड़े हाई स्कूलों में बनी हुई थी, जहां स्कूल परिसर के अंदर ही बड़े स्थानों को बाउंड्रीवाल कर स्कूल परिसर के अंदर ही खेल मैदान का रुप दिया गया। शहर और उपनगरीय क्षेत्रों के हाई स्कूलों में खेल मैदान लगभग तैयार हो चुके हैं। वहीं दूसरी ओर इसी तरह का खेल मैदान तैयार करने की तैयारी ग्रामीण अंचल के बड़े स्कूलों के लिए भी चल रही है ताकि जिला और राज्य स्तरीय जैसे बड़ी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सके। हालांकि ब्लॉक मुख्यालय में एक दो स्कूल में ही खेल मैदान उपलब्ध हैं जहां क्षेत्रीय और ब्लॉक मुख्यालय के खेल संपन्न होती है। बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए जिला स्तर के मैदान ही उपयुक्त रहते हैं। इस समस्या को देखते हुए अब ग्रामीण अंचलों के ऐसे बड़े स्कूल देखे जा रहे हैं जहां आसपास शासकीय जमीन बड़े रकबे में मौजूद हैं। उन जमीन में खेल मैदान बनाया जाएगा ताकि इसका लाभ स्कूल के छात्र छात्राओं के साथ ग्रामीण अंचल के खिलाड़ियों को ही मिल सके।

खेल सामग्रियां सप्लाई की गई

डीएमएफ से शहर और ग्रामीण अंचल के हाई स्कूलों में खेल सामग्रियां बड़े पैमाने पर सप्लाई की गई है। किंतु खेल मैदान नहीं होने से छात्र छात्राएं उन खेल सामग्रियां का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। कई स्कूल ऐसे हैं जहां खेल मैदान के लिए गांव के बंजर भूमि का ही उपयोग किया जा रहा है। किंतु बढ़ते बेजाकब्जा के कारण गांव की गौचर भूमि जिस तरह गायब हो गई है उसी तरह अन्य शासकीय जमीने भी जो खेल मैदान के लिए पूर्व में चयनित हुई थी उन पर भी अब बेजा कब्जाधारियों की नजर टिक गई है।

नहीं आ पाती खेल प्रतिभाएं सामने

जिले में शालेय खेलकूद कैलेंडर के तहत खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरु हो गई हैं लेकिन संसाधन और खेल मैदान नहीं होने की वजह से कई खेल ऐसे हैं जिसमें ग्रामीण अंचल से खेल प्रतिभाएं सामने नहीं आ पाती। स्कूल के व्यायाम शिक्षक भी इस बात को स्वीकारते हैं कि संसाधन की कमी के कारण खेल प्रतिभाओं को मौका नहीं मिल पा रहा है। कुछ खेल शिक्षक अपनी व्यवस्था पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर उन्हें ब्लॉक और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में लाते हैं जबकि जिस तरह खेल प्रतिभाएं सामने आनी चाहिए नहीं आ पा रही है।

कुछ स्कूल में है खेल मैदान

जिले के सभी विकासखंड मुख्यालय के बड़े स्कूलों में खेल मैदान है, ग्रामीण अंचल के भी ऐसे स्कूलों को देखा जा रहा है जहां आसपास खेल मैदान बनाए जाने के लिए सरकारी जमीन रिक्त है। ऐसी जमीन में खेल मैदान बनाने की योजना बनाई गई है।

-टीपी उपाध्याय, डीईओ

तेज रफ्तार टीपर का टायर फटा, मचा हड़कंप

घटना के बाद मौके पर खड़ा वाहन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शहर के बीचों-बीच निहारिका मुख्य मार्ग पर उस वक्त बड़ा हादसा टल गया जब एक तेज रफ्तार रेत से भरा टीपर का पहिया जोरदार धमाके के साथ फट गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और राहगीरों व बाइक सवारों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। यह घटना एक बार फिर शहर में खुलेआम चल रही अवैध रेत तस्करी की पोल खोलती है।

रेत से लदा यह टिप्पर तेज रफ्तार में निहारिका मुख्य मार्ग से गुजर रहा था। अचानक टीपर का एक टायर भीषण आवाज के साथ फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए और अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। मौके पर मौजूद कई राहगीर और बाइक सवार बाल-बाल बच गए। घटना का सूखद पहलू यह रहा कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। हालांकि घटना के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। शहर के बीचों-बीच इस तरह से रेत से भरे टिप्पर का चलना और उसका टायर फटना यह साबित करता है कि रेत माफिया बिना किसी डर के अपना कारोबार चला रहे हैं। जिला प्रशासन की तमाम पाबंदियों और दावों के बावजूद रेत की अवैध तस्करी धड़ल्ले से जारी है। यह घटना इस बात का भी प्रमाण है कि प्रशासन अवैध रेत कारोबार पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहा है।

रेत घाट बंद, फिर भी जारी है रेत तस्करी

सूत्रों की मानें तो रेत माफिया जिला प्रशासन को ठेके का बहाना बनाकर धड़ल्ले से अवैध रेत की तस्करी कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी रेत घाटों को बंद करा दिया है, इसके बावजूद शहर में रेत का अवैध कारोबार जोरों पर है। जब इस संबंध में खनिज जिला अधिकारी से फोन पर संपर्क किया गया, तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

रेलवे स्टेशन मार्ग पर नहर किनारे बना सेफ्टीवॉल गिरा, हादसे का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

संजय नगर रेलवे क्रॉसिंग से रेलवे स्टेशन मार्ग पर नहर किनारे बनाई गई सेफ्टीवॉल ढह गई है। करीब 50 मीटर सेफ्टीवॉल का हिस्सा सड़क के साथ नहर में समाहित हो गया है। माना जा रहा हैं की इसे नहीं हटाया गया तो फसल की सिंचाई भी प्रभावित हो सकती है। इसके साथ ही आगे सड़क और बिजली खंभे भी झुक गए हैं। इससे कभी भी बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। इसके बाद भी सिंचाई विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

दर्री बराज से निकली बांयीं तट नहर शहर के बीच से गुजरी है। नगर निगम ने नहर के ऊपर ही सड़क का निर्माण कराया है। संजय नगर के सड़क किनारे सेफ्टीवॉल का निर्माण भी कराया है। इसके अलावा स्ट्रीट लाइट भी लगई है। नहर की लाइनिंग टूटने की वजह से सड़क खोखली हो गई है। सिंचाई के समय मिट्टी का कटाव होने की वजह से सेफ्टी वॉल भी दब गई है, लेकिन इस ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। बताया जा रहा हैं की बारिश होने की वजह से 50 मीटर सेफ्टीवॉल और किनारे की सड़क नहर में गिर गई है। इसके अलावा आगे भी सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। अधिक बारिश होने पर वह भी गिर सकती हैं। नहर मार्ग पर सड़क के दोनों दोनों ओर कांक्रीट किया गया है। इसके ऊपर स्ट्रीट लाइट लगाई गयी है। मिट्टी के धंसने की वजह से करीब 100 मीटर सड़क भी खोखली हो गई है। इसकी वजह से ही सेफ्टीवॉल कमजोर हो गया है। जब तक नहर की लाइनिंग नहीं बनेगी, तब तक यहां कोई भी निर्माण नहीं टिकेगा।

अज्ञात वाहन ने युवक को मारी टक्कर, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

उरगा-चांपा मुख्य मार्ग पर मड़वारानी के समीप शुक्रवार की देर रात एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन चालक ने तेजी एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए युवक को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में युवक के सिर व छाती पर गंभीर चोट आई थी, जिसे तत्काल उपचार के लिए जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां परीक्षण उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खास बातें

- फरार चालक की तलाश में जुटी पुलिस
- उरगा-चांपा मार्ग पर मड़वारानी के समीप हुआ हादसा

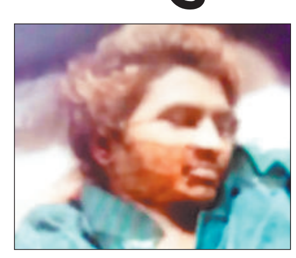

मृतक।

उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत मड़वारानी के समीप मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की देर रात एक सड़क हादसे में पीलू सहिस उम्र 22 वर्ष की मौत हो गई। सड़क हादसे में पीलू सहित के सिर और सीने पर गंभीर चोटें आई थी। जिसे डायल 112 की मदद से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब दुर्घटकारित वाहन चालक की तलाश कर रही है। यह घटना उरगा-चांपा मार्ग पर मड़वारानी के समीप घटित हुई है। पीलू की पहचान करने वाली पूनम सहिस ने बताया कि करीब 15 साल पहले चांपा रेलवे स्टेशन के पास एक 8 वर्षीय बालक भटकता हुआ मिला था। बस्ती के लोगों ने उससे उसके माता-पिता का पता जानने की कोशिश की, लेकिन वह कुछ नहीं बता पाया। तब से वह बस्ती में ही रह रहा था। बस्ती के लोगों ने उसे पीलू नाम दिया था। वह रोजी-मजदूरी करता और देर शाम बस्ती लौटता था। किसी भी घर में खाने-पीने की उसे छूट थी। वह हमेशा सबकी बात मानता था। जब शुक्रवार की देर शाम तक पीलू नहीं लौटा, तो बस्ती के लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की, तो तड़के एक वाहन चालक से हादसे की जानकारी मिली।

आयुक्त ने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने जन-जन का मांगा सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

निगम आयुक्त ने निगम की विभिन्न बस्तियों, मोहल्लों, पारों व गलियों का स्वच्छता से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों सहित शहर का भ्रमण किया। अभियान में निकले महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने शहर को स्वच्छ, साफ एवं सुन्दर शहर बनाने की तैयारी में लगे हुए हैं। उन्होंने स्वच्छता दीदियों व सफाई कामगारों की बदौलत निगम को देश में 8वें पायदान तथा प्रदेश में 5वें स्थान हासिल होने पर सभी को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आप लोगों द्वारा आगे और अधिक प्रयास किया जायेगा ताकि स्वच्छता के पायदान में ऊपर की तरफ और अधिक बढ़ोत्तरी हो सके।

निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अधिकारियों के साथ शहर का भ्रमण करते हुए स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतिदिन सुबह-सुबह भ्रमण कर आमनागरिकों से भेट मुलाकात कर उनकी समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए स्वच्छता से संबंधित कोई समस्या व शिकायत प्राप्त होती हो तो उससे जुड़े अधिकारियों को अवगत करावें तथा उसका समुचित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। साथ ही स्वच्छता दीदियों द्वारा घर-घर जाकर कचरे का उठाव सुनिश्चित करने का विशेष ध्यान देने के लिए स्वच्छता सुपरवाईजर को निर्देश दिए। जिन बस्तियों में सकरे स्थानों पर रिक्शा नहीं पहुँच पाता हो, उन संकरी गलियों के लोगों को सिटी बजाकर अवगत कराइये ताकि वे सफाई रिक्शा तक पहुंचकर अपने घरों से निकले हुये कचरे को पृथक-पृथक डस्टबिन में संग्रहित करके रखें एवं कचरे को डस्टबिन में ही डालें। आयुक्त श्री पाण्डेय ने अप्पू गार्डन के समीप अटल पथ का भी निरीक्षण किया तथा वहां पर स्थित पान ठेला दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति लापरवाही न बरतने की हिदायत दी एवं उनसे कहा कि आप लोग अपने प्रतिष्ठानों, दुकानो के सामने गंदगी न होने देवे, न किसी को गदंगी करने दें, दुकानों, प्रतिष्ठानों के सामने डस्टबिन अवश्य रखें तथा ग्राहकों को कहें कि कचरा डस्टबिन में ही डालें। सीएसईबी चौक के समीप आटो रिक्शा स्टैण्ड में अव्यवस्थित ढंग से आटो रिक्शा संचालकों द्वारा खड़ा किया जाता है। जिससे वहाँ पर आने वाले लोगों को काफी असुविधा होती है।

आटो संचालकों को समझाईश देते हुए कहा कि अपने वाहनों को व्यवस्थित ढंग से सड़क किनारे खड़ा करें ताकि यातायात व्यवस्था में किसी भी प्रकार का व्यवधान उपस्थित न होने पावें।

शहरवासियों से बात करते नगर निगम आयुक्त।

रिसदा चौक से लालघाट चेक पोस्ट निर्माण कार्य के दौरान सड़क मार्ग रहेगा अवरूद्ध

कोरबा। बालको द्वारा रिसदा चौक से लालघाट चेक पोस्ट तक ड्रेनेज सुधार कार्य के दौरान 21 जुलाई से 24 जुलाई तक सड़क मार्ग अवरूद्ध रहेगा। कार्यस्थल पर किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए ड्रेनेज कार्य के चलते मार्ग अस्थाई रूप से बाधित होगा। जिला परिवहन कोरबा की अनुमति अनुसार मार्ग पर चलने वाले छोटे-बड़े वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है। बालको प्रबंधन ने आश्वस्त किया है कि सभी शर्तों का पालन करते हुए ड्रेनेज सुधार कार्य समयबद्ध एवं सुरक्षित रूप से पूरा किया जाएगा तथा कार्य उपरांत मार्ग का तत्काल पुनर्निर्माण किया जाएगा। बालको हमेशा क्षेत्रीय विकास, अधोसंरचना सुधार और जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य करता रहा है।

हरिभूमि नं. 1 आवश्यक सूचना
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

देश में निगम को रैंकिंग में मिला 8वां स्थान, महापौर व आयुक्त ने जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत साफ-सुथरे शहरों में प्रदेश में कोरबा नगर निगम को 5वां स्थान तथा देश की विभिन्न नगर निगमों में नगर निगम कोरबा को साफ-सफाई में 8वां रैंक हासिल हुआ है।

इस वर्ष कोरबा ने गारवेज फ्री सिटी में 3 स्टार की रैंकिंग के ही साथ पहली बार वाटर प्लस शहर का एक नया मुकाम हासिल भी किया है। नगर निगम द्वारा स्वच्छता में किये गये अपने बेहतर प्रयास पर यह खास उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के लिए निगम की स्वच्छता से संबंधित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम ने जो कमाल किया है उसके लिए उन्हें साधुवाद दिया। महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों एवं आम-नागरिको के सामुहिक सहयोग से नगर निगम ने यह उपलब्धि हासिल की है। आगे हम सब मिलकर और अधिक अच्छा कार्य करेंगे तथा सभी के सहयोग से अपने कोरबा शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में प्रथम स्थान दिलाएंगे। उनके द्वारा आमजनों से अपील कर कोरबा शहर को साफ-सुथरा रखने में तथा आने वाले वर्ष मे होने वाली स्वच्छता सर्वेक्षण में और अधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल करने हेतु प्रेरित किया गया।

जवाहर नवोदय चयन परीक्षा के लिए आवेदन 29 तक

जांजगीर-चांपा। जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित जवाहर नवोदय चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 जुलाई तक आमंत्रित किए गए हैं।

उद्योग मंत्री महापौर और अधिकारियों के साथ शहर का भ्रमण कर व्यापारियों से करेंगे मुलाकात

न टूटेगा किसी का मकान, न दुकान, उद्योग मंत्री ने आयुक्त को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने शहर में निगम द्वारा किसी प्रकार की अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई न करने के निर्देश निगम आयुक्त को दिए हैं। उद्योग मंत्री स्वयं महापौर और निगम के अधिकारियों के साथ शहर के मुख्य मार्गों का भ्रमण कर व्यापारियों से मुलाकात करेंगे, तब तक के लिए किसी प्रकार की कार्रवाई न करने का निर्देश दिया गया है।

लखनलाल।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के कोहड़िया स्थित कार्यालय में शनिवार को महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत की उपस्थिति में जिला चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन ने अन्य पदाधिकारियों व व्यापारियों के साथ मुलाकात की। इस दौरान व्यापारियों ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय से चर्चा की। श्री देवांगन ने कहा कि शहर के विकास में व्यापारियों का शुरू से ही बहुत बड़ा योगदान रहा है। व्यापारी प्रतिष्ठानों को बगैर किसी तरह की समस्या हुए शहर का विकास कराया जाए। शहर के व्यापारी खुद शहर के विकास के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम के सहयोग के लिए खड़े हैं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि वे खुद महापौर और निगम के अधिकारियों के साथ शहर के सभी मुख्य मार्गो के व्यावसायिक कम्प्लेक्सो का अवलोकन करेंगे। तब तक के लिए किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाए। मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की सरकार हर वर्ग के साथ उनके विकास के लिए तत्परता से खड़ी है। कोरबा शहर का हर व्यापारी बंधु और आम नागरिक मेरे परिवार का हिस्सा है। उनके हर सुख दुख में उनके साथ हमेसा खड़ा रहूंगा।

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एल.सी. मढ़रिया
MBBS,MS
नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको सर्जन
डॉ. एश्वर्य मढ़रिया
MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad
नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन: 07752-402070, 228277,
मो.: 9826190123, 9669979123

कैलाश मानसरोवर यात्रा
25 जुलाई, 14 अगस्त, 23 सितंबर 2025 (12 रात 13 दिन)
सुविधा:- 3 स्टार होटल, टूर गाईड, बस, फुड (ब्रेकफास्ट एंड डिनर), काठमांडू (पशुपतिनाथ)
नोट:- काठमांडू तक की फ्लाईट टिकट या ट्रेन टिकट का चार्ज एक्स्ट्रा रहेगा।
राशि:- (13 दिन) 2,10000/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411